

# हाईकोर्ट ने दुष्कर्म और हत्या के आरोपी की फांसी को आजीवन कारावास में बदला

हाईकोर्ट ने झूगरपुर में 10 साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म और हत्या के मामले में फैसला सुनाया

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट जोधपुर मुख्यापीठ ने झूगरपुर में 10 साल की मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म और हत्या के मामले में आरोपी की फांसी की सजा को शेष प्राकृतिक जीवन के लिए आजीवन कारावास में बदल दिया है।

जस्टिस विनोद कुमार माथुर और जस्टिस चंद्र शेखर शर्मा की खंडपीठ ने रेप व मर्डर के दोषी जितेंद्र उर्फ जीतू को विशेष पॉक्सो कोर्ट द्वारा सुनाई गई फांसी की सजा के आदेश में ये संशोधन किया है। कोर्ट ने अपने फैसले में स्पष्ट किया कि अपराध जघन्य जरूर है, लेकिन यह दुर्लभ से दुर्लभतम (रेयरस्ट ऑफ रेयर) की श्रेणी में नहीं आता-क्योंकि आरोपी पहले बार का अपराधी है, उसका कोई पूर्व आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है और वह पत्नी और दो नाबालिग बच्चों का मुखिया है।

यह घटना झूगरपुर जिले के एक थाना क्षेत्र की है। 28-29 जून 2022 की आधी रात को पीड़ित मासूम बच्ची अपने घर के आंगन में अपनी मां और भाई-बहनों के साथ सो रही थी। सुबह करीब 5:30 बजे जब उसकी मां की

- हाईकोर्ट ने अपने फैसले में स्पष्ट किया कि अपराध जघन्य जरूर है, लेकिन यह दुर्लभ से दुर्लभतम (रेयरस्ट ऑफ रेयर) की श्रेणी में नहीं आता
- कोर्ट ने पाया कि दोषी जितेंद्र का कोई पुराना आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है, वह विवाहित है और उसके दो छोटे बच्चे हैं

आंख खुली, तो उन्होंने पाया कि बच्ची बिस्तर से गायब थी। परिजनों ने आसपास के खेतों और रास्तों पर उसकी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। इसी दिन शाम को एक मार्ग पर एक पुलिसिया के भीतर बच्ची का लहलुहान शव बरामद हुआ। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया और 2 जुलाई 2022 को पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी जितेंद्र उर्फ जीतू को गिरफ्तार कर लिया। इस मामले में डॉ. गुणवंती मीणा द्वारा किए गए पोस्टमॉर्टम में यह पुष्टि हुई कि बच्ची के साथ वीभत्स यौन हमला किया गया था और उसके सिर पर भारी पत्थर से प्रहार करने के साथ ही गला घाँटकर उसकी हत्या की गई थी।

गवाह मोगा कटारा ने बयान दिया कि 29 जून को सुबह 6:30 बजे उसने आरोपी जितेंद्र उर्फ जीतू को उसी पुलिसिया के पास बीयर की बोतल लिए देखा था। पूछने पर आरोपी ने कहा कि उसे रातभर से चिंता है। एक अन्य गवाह ने 28 जून को शाम आरोपी के साथ पीने की बात कबूली और उस दौरान ली गई फोटो में आरोपी की बेज रंग की शर्ट पहनी। इसी आधार पर 2 जुलाई 2022 को आरोपी को गिरफ्तार किया गया। 3 जुलाई को उसके घर से वही शर्ट और अन्य कपड़े बरामद हुए। फॉरेंसिक रिपोर्ट में पुष्टि हुई कि शर्ट पर पीड़ित बच्चों का खून और पीड़ित के कपड़ों पर आरोपी के बाल मिले, यह साक्ष्यों की कड़ी निर्णायक रही। हाईकोर्ट में सुनवाई के

दौरान मर्डर रेफरेंस और दोषी की अपील पर लंबी कानूनी जिरह हुई। आरोपी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता विनोद जैन ने तर्क दिया कि अभियोजन का पूरा मामला केवल परिस्थितिजन्य साक्ष्यों पर आधारित है। उन्होंने दलील दी कि पुलिस ने आरोपी के घर से जो कपड़े बरामद किए, उस समय घर पर कोई ताला नहीं लगा था और न ही कोई स्वतंत्र गवाह मौजूद था, जो इस रिकवरी को संदिग्ध बनाता है। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि आरोपी वारदात के बाद न तो फरार हुआ और न ही उसने छिपने की कोशिश की, जो उसकी निर्दोषता का एक बड़ा संकेत है।

इसके विपरीत, राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाअधिवक्ता दीपक चौधरी ने ट्रायल कोर्ट के फैसले का समर्थन करते हुए कहा कि एक 10 साल की असाहाय बच्ची के साथ की गई यह दरिंदगी समाज की अंतरात्मा को झकझोने वाली है, इसलिए मृत्युदंड ही एकमात्र न्यायोचित सजा है।

खंडपीठ ने साक्ष्यों का गहनता से पुनर्मूल्यांकन करते हुए माना कि अभियोजन पक्ष ने दोषसिद्धि की

कड़ियों को वैज्ञानिक रूप से साबित किया है। एफएसएल रिपोर्ट में मृतक की टी-शर्ट पर आरोपी के सिर के बाल मिले और आरोपी की शर्ट पर मृतक के खून की पुष्टि हुई। इसके अलावा, गवाह मोगा कटारा ने घटना वाली सुबह आरोपी को उसी पुलिसिया से बाहर निकलते देखा था, जहां बाद में शव मिला। इन साक्ष्यों के आधार पर कोर्ट ने दोषी की सजा को बरकरार रखा, लेकिन मृत्युदंड के प्रश्न पर उदार रुख अपनाया। सजा को उम्रकैद में परिवर्तित करते हुए अदालत ने संदर्भ मामले के सिद्धांतों का हवाला दिया। कोर्ट ने पाया कि दोषी जितेंद्र का कोई पुराना आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है। वह विवाहित है और उसके दो छोटे बच्चे हैं। कोर्ट ने अपने निर्णय में कहा कि चूंकि अपराध पूर्व-नियोजित नहीं था और अपराधी की सामान्य सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि व जेल में उसके आचरण को देखते हुए उसमें सुधार की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। इन्हें मानवीय और कानूनी पहलुओं को आधार बनाकर हाईकोर्ट ने फांसी की सजा को आजीवन कारावास में बदल दिया।

## डेयरी संचालक ने ट्रेन के आगे कूदकर जान दी

चिड़ावा/झुंझुनू, (निर्सं)। कर्ज के बोझ और बैंक के कथित दबाव ने एक और परिवार उजाड़ दिया। सूरजगढ़ क्षेत्र के मार्बंडियों की ढाणी के पास गुरुवार रात एक डेयरी संचालक ने ट्रेन के आगे कूदकर अपनी जान दे दी। मृतक की जेब से मिले सुसाइड नोट में उसने साफ लिखा- बैंक का लोन नहीं चुका पा रहा हूँ, बैंक वालों ने प्रेशर बना रखा है। मृतक विनोद पूनिया (50) निवासी रामरख की ढाणी, उधमपुरा ने डेयरी संचालन के लिए बैंक से करीब 31 लाख 11 हजार रुपए का लोन लिया था।

जानकारी के अनुसार, पशुधन में नुकसान और आर्थिक तंगी के चलते वह किरतें नहीं चुका पा रहा था। बताया जा रहा है कि हाल ही में बैंक की ओर से बकाया राशि का नोटिस दिया गया था, जिसके बाद तनाव और बढ़ गया। विनोद की जेब से मिले सुसाइड नोट में लिखा मिला कि मेरे गायों को डेयरी है, उसमें नुकसान हो रहा है। बैंक का लोन नहीं चुका पा रहा हूँ। बैंक वाले प्रेशर डाल रहे हैं, इसलिए यह कदम उठा रहा हूँ।

परिजनों के अनुसार, विनोद गुरुवार सुबह घर से यह कहकर निकला था कि वह दूध का भुगतान लेने और पशुओं के लिए पानी लाने जा रहा है। शाम तक घर नहीं लौटने पर चिंता बढ़ी, और रात करीब सवा 9 बजे पुलिस का फोन

- मृतक की जेब से मिले सुसाइड नोट में लिखा कि बैंक का लोन नहीं चुका पा रहा हूँ, बैंक वालों ने प्रेशर बना रखा है

आया-जिसके बाद परिजन रेलवे स्टेशन पहुंचे, जहां विनोद का शव मिला। परिवार का आरोप है कि दो-तीन दिन पहले बैंक मैनेजर और कर्मचारी घर आए थे और किश्त जमा नहीं करने पर पुलिस कार्रवाई की धमकी दी थी। इसी के बाद से विनोद गहरे तनाव में था, गुमसुम रहने लगा था और किसी से ज्यादा बात नहीं करता था।

घटना की सूचना मिलते ही चिड़ावा थाने से एएसआई ओमप्रकाश नरुका मौके पर पहुंचे। पुलिस ने सुसाइड नोट और बैंक के दस्तावेज जब्त कर लिए हैं। शव को उपजिला अस्पताल की मॉर्चरी में रखवाया गया है, जहां मेडिकल बोर्ड से पोस्टमॉर्टम करवाया जाएगा। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीण शुक्रवार सुबह चिड़ावा थाने पहुंचे और बैंककर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। वहीं ग्रामीणों ने मृतक परिवार के लिए पूरा कर्ज माफ करने, परिवार के भरण-पोषण की व्यवस्था करने की मांग उठाई है।

## झुंझुनू में खिलौना गोदाम में भीषण आग लगी

झुंझुनू, (निर्सं)। शहर के भीड़भाड़ वाले बस स्टैंड क्षेत्र में शुक्रवार शाम उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब शारदा हॉस्पिटल के पीछे स्थित एक खिलौना गोदाम में अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और इसकी लपटें हॉस्पिटल के पिछले हिस्से तक पहुंच गईं। हालांकि, समय रहते फायर ब्रिगेड ने मौके पर पहुंचकर करीब 30 मिनट में आग पर काबू पा लिया, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

जानकारी के अनुसार घटना शाम करीब 4:30 से 5 बजे के बीच मन नगर स्थित शारदा हॉस्पिटल के पास हुई। हॉस्पिटल के पीछे अशोक चालिया के

प्लॉट में बने कमरों में प्लास्टिक के खिलौनों का गोदाम संचालित था, जहां बड़ी मात्रा में खाली गते (कार्टन) भी रखे हुए थे। इन्हें ज्वलनशील सामग्री में अज्ञात कारणों से आग भड़क उठी। प्लास्टिक और गत्तों के कारण आग ने कुछ ही मिनटों में विकराल रूप ले लिया। तेज लपटों ने पास स्थित हॉस्पिटल की बिल्डिंग के पिछले हिस्से को भी अपनी चपेट में ले लिया, जिससे वहां लोग कूलर डस्ट में भी आग लग गई। घटना की सूचना मिलते ही कोटवाली पुलिस थानाधिकारी श्रवण कुमार पुलिस जांच के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति को संभाला। भीड़भाड़ वाले संकरे इलाके में लोगों को तत्काल सुरक्षित दूरी पर हटाया गया।

# अलवर : मां ने चार साल की बेटी की गला दबाकर हत्या की

मां ने भी ब्लेड से हाथों की नसें काटकर सुसाइड का प्रयास किया

अलवर/राजगढ़, (निर्सं)। अलवर में महिला ने चार साल की बेटी की रस्सी से गला घाँटकर हत्या कर दी। इसके बाद उसने ब्लेड से अपने हाथों की नसें काटकर सुसाइड का प्रयास किया। महिला का गंभीर हालत में जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना राजगढ़ थाना क्षेत्र के पुराना राजगढ़ इलाके की शुक्रवार सुबह की है।

मृतक बच्ची के ताऊ नीरज सैनी (30) ने बताया कि सुबह 7 बजे परिजन (4) को स्कूल भेजने के लिए पिता संतोष (27) ने कमरे का गेट खोला। बेटी ठीक था, उसे कोई दिक्कत नहीं थी। बेटी को जगाया तो वह बोल

- बताया जा रहा है कि महिला पिछले दो साल से मानसिक रूप से परेशान थी, पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की

नहीं रही थी। गरिमा के गले पर निशान थे। उसे तुरंत राजगढ़ हॉस्पिटल लेकर गए। उसके बाद संतोष की पत्नी शीला (25) को देखा। वह बेहोशी की हालत में थी। गांव के दो लोगों को बुलावाया। उसके बाद गाड़ी से शीला को भी हॉस्पिटल लेकर गए। डॉक्टरों ने गरिमा को मृत घोषित कर दिया। वहीं शीला की हालत गंभीर होने पर उसे अलवर जिला अस्पताल रेफर कर दिया। नीरज

सैनी ने बताया कि शीला पिछले दो साल से मानसिक रूप से परेशान है। उसकी स्थिति ठीक नहीं रहती थी। वह कई बार अजीब हरकतें भी करती थी। उसकी आवाज भी बदल जाती थी। इस कारण दोनों बच्चे भी उससे दूरी बनाकर रखते थे, लेकिन वह बच्चों को जबरदस्ती अपने पास सुलाती थी। पुलिस ने बताया कि सूरज ने रिपोर्ट में लिखा कि और दिन गरिमा उसकी मां

के पास सोती थी। 16 अप्रैल की राति 10 बजे गरिमा सूरज की मां के पास सो रही थी, तो उसके भाई की पत्नी शीला गरिमा को वहां से लेकर चली गई और हत्या कर दी। गरिमा की हत्या के बाद शीला ने स्वयं ने हाथों पर चोट के निशान बना लिए। इस पर पुलिस ने मामला दर्ज कर प्राथमिक जांच शुरू की है। थाना प्रभारी राजेश मीणा ने बताया कि घटना को लेकर आसपास के लोग और परिवार से पूछताछ की जा रही है। हालांकि अभी तक घटना के कारणों का स्पष्ट खुलासा नहीं हो सका है। महिला के होश में आने के बाद उससे पूछताछ की जाएगी।

## शेखावाटी की जीवनरेखा 'काटली नदी' को बचाने के लिए जन अभियान तेज

हरित पट्टिका, अतिक्रमण मुक्त धारा और सिंधु जल प्रवाह की मांग उठी

- सरस्वती रूरल एंड अरबन डेवलपमेंट सोसायटी, झुंझुनू के नेतृत्व में अभियान संयोजक सुभाष कश्यप सहित अनेक सामाजिक, कानूनी व शिक्षाविद् प्रतिनिधियों ने जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग को ज्ञापन सौंपा

झुंझुनू, (निर्सं)। शेखावाटी क्षेत्र की जीवनरेखा मानी जाने वाली काटली नदी के पुनर्जीवन को लेकर जनआवाज अब मजबूत होती नजर आ रही है। काटली नदी बचाओ जन अभियान के तहत नदी के दोनों तटों पर व्यापक वृक्षारोपण कर हरित पट्टिका विकसित करने, सहायक नालों और जल स्रोतों को अतिक्रमण मुक्त कराने तथा नदी क्षेत्र में जल संरक्षण और अतिक्रमण की आशंकाओं पर भी प्रभावी नियंत्रण संभव होगा। साथ ही नदी के सीमांकन की प्रक्रिया को शीघ्र पूर्ण करने पर भी जोर दिया गया। अभियानकर्ताओं ने काटली नदी के उद्गमस्थल सहित सहायक नालों व जल स्रोतों को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग रखी। ज्ञापन में उद्गमस्थल से लेकर विभिन्न क्षेत्रों तक नदी के संरक्षण, संवर्धन और दीर्घकालिक उपयोग की रणनीति को रेखांकित किया गया। ज्ञापन में प्रमुख रूप से नदी के दोनों किनारों पर स्थानीय जनवायु के अनेक निरंकुश, दीर्घायु वृक्षों का रोपण कर हरित पट्टिका

विकसित करने की मांग की गई है, जिससे न केवल पशुचरण संतुलन मजबूत होगा, बल्कि भविष्य में अतिक्रमण की आशंकाओं पर भी प्रभावी नियंत्रण संभव होगा। साथ ही नदी के सीमांकन की प्रक्रिया को शीघ्र पूर्ण करने पर भी जोर दिया गया। अभियानकर्ताओं ने काटली नदी के उद्गमस्थल सहित सहायक नालों व जल स्रोतों को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग रखी। ज्ञापन में उद्गमस्थल से लेकर विभिन्न क्षेत्रों तक नदी के संरक्षण, संवर्धन और दीर्घकालिक उपयोग की रणनीति को रेखांकित किया गया। ज्ञापन में प्रमुख रूप से नदी के दोनों किनारों पर स्थानीय जनवायु के अनेक निरंकुश, दीर्घायु वृक्षों का रोपण कर हरित पट्टिका

## झुंझुनू में खिलौना गोदाम में भीषण आग लगी

झुंझुनू, (निर्सं)। शहर के भीड़भाड़ वाले बस स्टैंड क्षेत्र में शुक्रवार शाम उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब शारदा हॉस्पिटल के पीछे स्थित एक खिलौना गोदाम में अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और इसकी लपटें हॉस्पिटल के पिछले हिस्से तक पहुंच गईं। हालांकि, समय रहते फायर ब्रिगेड ने मौके पर पहुंचकर करीब 30 मिनट में आग पर काबू पा लिया, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

जानकारी के अनुसार घटना शाम करीब 4:30 से 5 बजे के बीच मन नगर स्थित शारदा हॉस्पिटल के पास हुई। हॉस्पिटल के पीछे अशोक चालिया के

## अजमेर में नकली मुनीम बनकर पांच लाख की ठगी

अजमेर, (कासं)। शहर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र में घोखाघड़ी का एक बड़ा मामला सामने आया है, जहां किसानगढ़ निवासी एक युवक से खुद को मुनीम बनाने वाले व्यक्ति ने पांच लाख रुपए उग लिए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एएसआई रामनिवास ने बताया कि किसानगढ़ निवासी दीपक परेवा ने रिपोर्ट दर्ज करवाई कि वह अपने परिचित की दुकान पर बैठा हुआ था। इसी दौरान दिलीप सिंह नाम का व्यक्ति वहां आया और खुद को त्रिलोक जैन का मुनीम बताया। आरोपी ने कहा कि उसका सेठ बिट्टू में बने गोदाम रखा कुछ सामान बेचना चाहते हैं, जिसकी कुल कीमत 11

## अजमेर में नकली मुनीम बनकर पांच लाख की ठगी

लाख रुपए है। आरोपी की बातों में आकर दीपक ने सौदे के लिए सहमति दे दी और 5 लाख रुपए नकद दे दिए। इसके बाद दोनों के बीच एग्रीमेंट भी कर लिया गया। आरोपी ने पीड़ित से कहा कि वह जीसीए चैराहा पहुंचे, वहां पीछे-पीछे उसकी जब आरोपी जीसीए चैराहा पर नहीं पहुंचा तो दीपक ने उसे फोन किया। इस पर आरोपी ने उसे बिट्टू स्थित गोदाम पहुंचने को कहा। जब पीड़ित वहां पहुंचा और चैकीदार से बात की, तो मालिक से संपर्क करने पर स्पष्ट हुआ कि उनके यहां इस नाम का कोई मुनीम नहीं है और न ही कोई सामान बिक्री के लिए रखा गया है। घटना के बाद पीड़ित को ठगी का अहसास हुआ और उसने सिविल लाइन थाने में मामला दर्ज कराया।

## अजमेर में नकली मुनीम बनकर पांच लाख की ठगी

लाख रुपए है। आरोपी की बातों में आकर दीपक ने सौदे के लिए सहमति दे दी और 5 लाख रुपए नकद दे दिए। इसके बाद दोनों के बीच एग्रीमेंट भी कर लिया गया। आरोपी ने पीड़ित से कहा कि वह जीसीए चैराहा पहुंचे, वहां पीछे-पीछे उसकी जब आरोपी जीसीए चैराहा पर नहीं पहुंचा तो दीपक ने उसे फोन किया। इस पर आरोपी ने उसे बिट्टू स्थित गोदाम पहुंचने को कहा। जब पीड़ित वहां पहुंचा और चैकीदार से बात की, तो मालिक से संपर्क करने पर स्पष्ट हुआ कि उनके यहां इस नाम का कोई मुनीम नहीं है और न ही कोई सामान बिक्री के लिए रखा गया है। घटना के बाद पीड़ित को ठगी का अहसास हुआ और उसने सिविल लाइन थाने में मामला दर्ज कराया।

## जोधपुर : लॉरेंस के नए गुर्गे ने पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष से दो करोड़ की फिरौती मांगी

जोधपुर, (कासं)। कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस विश्वासी का एक नया गुर्गा सामने आया है, जिसका नाम टाइसन विश्वासी है। टाइसन ने जयपुराध्याय व्यास विश्वविद्यालय के छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष सुनील चौधरी को गुरुवार को जमानत के अंश में दो करोड़ रुपए की फिरौती मांगी है। टाइसन विश्वासी ने खुद को लॉरेंस गैंग का सदस्य बताया है। इसके बाद धमकी दी है। इसके लेख सुनील चौधरी ने रातानाडा थाने में रिपोर्ट दी है। थानाधिकारी दिनेश लखावत ने बताया कि अयोध्याराम अपार्टमेंट, पीडब्ल्यूडी कॉलोनी के पास रहने वाले सुनील चौधरी पुत्र पूनाराम ने मामला दर्ज कराया है। इसमें बताया कि उसके

## जोधपुर : लॉरेंस के नए गुर्गे ने पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष से दो करोड़ की फिरौती मांगी

दरजे कर लिया गया है। मामले की पड़ताल की जा रही है। टाइसन विश्वासी ने जिस नंबर से चौधरी को व्हाट्सएप कॉल किया, उस नंबर का कोड दक्षिण अमेरिकी शहर वर्जीनिया का था। हालांकि यह अभी जांच का विषय है कि कॉल वहां से ही की गई है या नहीं। लॉरेंस विश्वासी गैंगोह के सदस्यों ने पहली बार जोधपुर में 2017 में एक डॉक्टर व एक ट्रेलर के घर फायरिंग कर एंटी ली थी। इसके बाद पुलिस ने कई लोगों को पकड़ा। लॉरेंस के ही एक गुर्गे ने जोधपुर में वासुदेव इरानी की हत्या कर दी थी, जिसके आरोप में जोधपुर पुलिस पंजाब से लॉरेंस को लेकर आई थी और उसे जोधपुर जेल में रखा गया था। इस दौरान कई स्थानीय

## जोधपुर : लॉरेंस के नए गुर्गे ने पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष से दो करोड़ की फिरौती मांगी

दरजे कर लिया गया है। मामले की पड़ताल की जा रही है। टाइसन विश्वासी ने जिस नंबर से चौधरी को व्हाट्सएप कॉल किया, उस नंबर का कोड दक्षिण अमेरिकी शहर वर्जीनिया का था। हालांकि यह अभी जांच का विषय है कि कॉल वहां से ही की गई है या नहीं। लॉरेंस विश्वासी गैंगोह के सदस्यों ने पहली बार जोधपुर में 2017 में एक डॉक्टर व एक ट्रेलर के घर फायरिंग कर एंटी ली थी। इसके बाद पुलिस ने कई लोगों को पकड़ा। लॉरेंस के ही एक गुर्गे ने जोधपुर में वासुदेव इरानी की हत्या कर दी थी, जिसके आरोप में जोधपुर पुलिस पंजाब से लॉरेंस को लेकर आई थी और उसे जोधपुर जेल में रखा गया था। इस दौरान कई स्थानीय

मैं केवल दो ही यात्री सवार थे, वरना एक बड़ी जनहानि हो सकती थी। हादसे में यात्रियों को ज्यादा चोट नहीं आई लेकिन बस का कंडक्टर घायल हो गया। निजी स्लीपर बस डबोक सर्विस रोड से होते हुए उदयपुर नेशनल हाइवे पर चढ़ने की कोशिश कर रही थी। हाइवे पर चढ़ने के लिए बस ड्राइवर ने जैसे ही राइट टर्न लिया उसने पीछे से आ रहे बाहनों पर ध्यान नहीं दिया। इसी दौरान पीछे से तेज रफात में आ रहा एक ट्रेलर सीधे बस से जा भिड़ा। बस अनियंत्रित होकर सर्विस रोड के किनारे बने नाले में जाकर फंस गई।

## महिला कर्मचारी की स्कूटी चोरी

अजमेर, (कासं)। अजमेर शहर के आदर्श नगर थाना क्षेत्र में एक महिला कर्मचारी की स्कूटी चोरी हो गई। जानकारी अनुसार, एक निजी अस्पताल में कार्यरत महिला कर्मचारी रोजाना की तरह अपने काम पर पहुंचती थी। उसने अस्पताल के बाहर अपनी स्कूटी खड़ी की और ड्रायटी पर चली गई। लेकिन जब वह अपनी ड्यूटी पूरी कर बाहर लौटी, तो वहां उसकी स्कूटी नहीं मिली। काफी तलाश करने के बाद भी वाहन का कोई सुराग नहीं लगा। घटना के बाद महिला ने तुरंत आदर्श नगर थाना में शिकायत दर्ज करवाई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

## उदयपुर में बस और ट्रेलर में भिड़ंत, बस कंडक्टर घायल

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर के डबोक थाना क्षेत्र में गुरुवार देर रात स्लीपर बस और ट्रेलर के बीच जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे के बाद ट्रेलर का केबिन टूटकर इंसान से पूरी तरह से अलग हो गया जबकि बस के पिछले टायर निकलने से अनियंत्रित होकर बस नाले में फंस गई। हादसे के बाद दोनों ड्राइवर मौका देखकर भाग निकले। हादसा डबोक थाना क्षेत्र में तुलसीदास जी की सहाय विश्व शावक धाम कट पर गुरुवार रात करीब 12 बजे हुआ। गनीमत यह रही कि उस वक्त बस

परिजनों ने बताया कि सुनील भारतीय सेना में कार्यरत था और करीब एक सप्ताह पहले ही छुट्टी लेकर घर आया था। बताया जा रहा है कि उसकी युवती से पहचान सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम के माध्यम से हुई थी, जो धीरे-धीरे प्रेम संबंध में बदल गई। परिवार के अनुसार सुनील को युवती से वीडियो कॉल पर बात करते हुए उसकी पत्नी ने देख लिया था, जिसके बाद घर में विवाद बढ़ गया था। गुरुवार शाम करीब पांच बजे सुनील घर से निकला था, जिसके बाद उसका मोबाइल फोन बंद हो गया। परिजन रातभर उसकी तलाश करते रहे, लेकिन सुबह इस दुःखद घटना की सूचना मिली। पुलिस जांच के दौरान मोबाइल लोकेशन के आधार पर दोनों के परिजनों को भी मौके पर बुलाया गया। फिलहाल पुलिस पूरे मामले को गंभीरता से जांच कर रही है और यह जांच का प्रयास किया जा रहा है कि घटना के पीछे परिस्थितियां क्या रही।

## श्रीगंगानगर में किसान की फर्जी फर्म बनाकर करोड़ों की ठगी

श्रीगंगानगर, (निर्सं)। एक साधारण किसान को फर्जी तरीके से व्यापारिक फर्म का प्रोप्राइटर बना कर करोड़ों रुपए का माल उठाने का बड़ा फर्जीबाड़ा सामने आया है। पूनिया ट्रेडर्स के नाम से खाद, बीज और पेट्रिसाइड्स का व्यापार करने वाले रमन पूनिया पर आरोप है कि उन्होंने गांव के किसान रिछपाल बिशोई को हिस्सेदार बनाने का लालच देकर बैंक के कामजातों पर दस्तखत करवा लिए। इसके बाद चेक बुक अपने पास में रख ली। बाद में किसान के नाम से अनादरित चेक देकर कई फर्मों से माल मंगाया और आम किसान पर करोड़ों की देनदारी के कानूनी नोटिस आ रहे हैं। किसान रिछपाल बिशोई पुत्र शंकरलाल, निवासी गांव 65 एलएनपी ने एसपी को शिकायत देकर रमन पूनिया, निवासी कालुवाला के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग की है।

- आरोपी ने घर बैठे कमाई का झांसा देकर चेक बुक ली, लीगल नोटिस मिलने लगे तो पता चला

पुलिस के अनुसार, रमन पूनिया का ननिहाल पीड़ित के गांव में है, जिसके चलते दोनों के बीच जानकारी हुई। रिछपाल बिशोई ने शिकायत में बताया कि रमन पूनिया ने उन्हें साधुवाली बाढ़पास पर स्थित पूनिया ट्रेडर्स फर्म में पार्टनर बनाने का प्रस्ताव दिया और कहा कि घर बैठे पैसे कमा कर दूंगा। इसके लिए बैंक से लोन दिलवाने का बहाना बनाकर कामजातों पर हस्ताक्षर करवा लिए। निजी बैंक में किसान का खाता खुलावाकर चेक बुक जारी कराई और उसे अपने पास रख लिया। कुछ दिनों बाद रमन पूनिया ने बताया कि लोन नहीं

मिला, इसलिए हिस्सेदारी की बात खत्मा लेकिन असली खेल उसके बाद शुरू हुआ। वर्ष 2023 में रमन पूनिया उनके घर आए और कुछ लिफाफे थमा दिए। इनमें किसान के नाम से चेक अनादरित (बाउंस) होने पर कानूनी कार्रवाई के नोटिस थे। हैरान किसान ने देखा कि वह कभी फर्म का प्रोप्राइटर ही नहीं बना था, फिर भी उसके नाम पर करोड़ों रुपए का माल विभिन्न फर्मों से उठाया गया और चेक उसके नाम के दिए गए। किसान ने बताया कि मुझे फंसाने के लिए पूरा फर्जीबाड़ा रचा गया। मैं खेती-बाड़ी करता हूँ, व्यापार की इन बातों से अनजान था। आम कंपनीयों से कानूनी नोटिस आ रहे हैं और करोड़ों की देनदारी भेरे सिर पर लाद दी गई है। फिलहाल पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। रमन पूनिया पर घोखाघड़ी, जालसाजी और विश्वासघात के गंभीर आरोप लगे हैं।

## पेड़ से लटके मिले प्रेमी युगल, आत्महत्या की आशंका जताई

झुंझुनू/गुढागोड़जी, (निर्सं)। भौड़की गांव के जोहड़ क्षेत्र में शुक्रवार सुबह एक प्रेमी युगल के शव पेड़ से लटके मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही गुढागोड़जी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मुआयना कर जांच शुरू कर दी। प्रारंभिक तौर पर मामला आत्महत्या का माना जा रहा है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार शुक्रवार सुबह करीब छह बजे गांव

- सेना का जवान सप्ताह पहले छुट्टी पर आया था, पारिवारिक विवाद के बाद घर से निकला था
- बताया जा रहा है कि युवती से पहचान इंस्टाग्राम के माध्यम से हुई थी

ही हो सकेगा। दोनों शवों को कब्जे में लेकर गुढागोड़जी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की मोर्चरी में भिजवाया गया। पुलिस ने युवक की जेब से मिले आधार कार्ड के आधार पर उसकी पहचान भिवानी निवासी 32 वर्षीय सुनील कुमार के रूप में की, जबकि युवती की पहचान खीवासर गांव निवासी इंदुबाला के रूप में हुई। सूचना मिलते ही दोनों परिवारों में कोहमल मच गया और परिजन घटनास्थल पर पहुंच गए।

परिजनों ने बताया कि सुनील भारतीय सेना में कार्यरत था और करीब एक सप्ताह पहले ही छुट्टी लेकर घर आया था। बताया जा रहा है कि उसकी युवती से पहचान सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम के माध्यम से हुई थी, जो धीरे-धीरे प्रेम संबंध में बदल गई। परिवार के अनुसार सुनील को युवती से वीडियो कॉल पर बात करते हुए उसकी पत्नी ने देख लिया था, जिसके बाद घर में विवाद बढ़ गया था। गुरुवार शाम करीब पांच बजे सुनील घर से निकला था, जिसके बाद उसका मोबाइल फोन बंद हो गया। परिजन रातभर उसकी तलाश करते रहे, लेकिन सुबह इस दुःखद घटना की सूचना मिली। पुलिस जांच के दौरान मोबाइल लोकेशन के आधार पर दोनों के परिजनों को भी मौके पर बुलाया गया। फिलहाल पुलिस पूरे मामले को गंभीरता से जांच कर रही है और यह जांच का प्रयास किया जा रहा है कि घटना के पीछे परिस्थितियां क्या रही।

## महिला कर्मचारी की स्कूटी चोरी

अजमेर, (कासं)। अजमेर शहर के आदर्श नगर थाना क्षेत्र में एक महिला कर्मचारी की स्कूटी चोरी हो गई। जानकारी अनुसार, एक निजी अस्पताल में कार्यरत महिला कर्मचारी रोजाना की तरह अपने काम पर पहुंचती थी। उसने अस्पताल के बाहर अपनी स्कूटी खड़ी की और ड्रायटी पर चली गई। लेकिन जब वह अपनी ड्यूटी पूरी कर बाहर लौटी, तो वहां उसकी स्कूटी नहीं मिली। काफी तलाश करने के बाद भी वाहन का कोई सुराग नहीं लगा। घटना के बाद महिला ने तुरंत आदर्श नगर थाना में शिकायत दर्ज करवाई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

## उदयपुर में बस और ट्रेलर में भिड़ंत, बस कंडक्टर घायल

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर के डबोक थाना क्षेत्र में गुरुवार देर रात स्लीपर बस और ट्रेलर के बीच जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे के बाद ट्रेलर का केबिन टूटकर इंसान से पूरी तरह से अलग हो गया जबकि बस के पिछले टायर निकलने से अनियंत्रित होकर बस नाले में फंस गई। हादसे के बाद दोनों ड्राइवर मौका देखकर भाग निकले। हादसा डबोक थाना क्षेत्र में तुलसीदास जी की सहाय विश्व शावक धाम कट पर गुरुवार रात करीब 12 बजे हुआ। गनीमत यह रही कि उस वक्त बस

परिजनों ने बताया कि सुनील भारतीय सेना में कार्यरत था और करीब एक सप्ताह पहले ही छुट्टी लेकर घर आया था। बताया जा रहा है कि उसकी युवती से पहचान सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम के माध्यम से हुई थी, जो धीरे-धीरे प्रेम संबंध में बदल गई। परिवार के अनुसार सुनील को युवती से वीडियो कॉल पर बात करते हुए उसकी पत्नी ने देख लिया था, जिसके बाद घर में विवाद बढ़ गया था। गुरुवार शाम करीब पांच बजे सुनील घर से निकला था, जिसके बाद उसका मोबाइल फोन बंद हो गया। परिजन रातभर उसकी तलाश करते रहे, लेकिन सुबह इस दुःखद घटना की सूचना मिली। पुलिस जांच के दौरान मोबाइल लोकेशन के आधार पर दोनों के परिजनों को भी मौके पर बुलाया गया। फिलहाल पुलिस पूरे मामले को गंभीरता से जांच कर रही है और यह जांच का प्रयास किया जा रहा है कि घटना के पीछे परिस्थितियां क्या रही।